VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 16 OCT 2016 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 760)

Name of Candidate	P. Yadave		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	23965
Center	MN	Date	16/10/16

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
2. There are FOURTEEN questions printed in ENGLISH.
3. All questions are compulsory.
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

75, 3rd Floor, Old Rajinder Nagar Market, Near Axis Bank, New Delhi – 110060

103, 1st Floor, B/1-2, Ansal Building, Behind UCO Bank, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi – 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer the following questions is not more than 150 words each.

1. (a) Celebrities are paid huge amounts by companies for endorsing products that at times turn out to be harmful for the consumers. Examine the ethical dimensions involved in such instances. 10

कंपनियों द्वारा अपने उत्पादों के प्रति जनता को अधिकाधिक लुभाने व मांग जनित करने के लिए विज्ञापनों का सहारा लिया जाता है। इसके लिए कंपनियां कुछ ख्याति प्राप्त व्यक्तित्व का सहारा लेती हैं जिनकी जनता में काफी लोकप्रियता हो और जनता को प्रभावित करने की क्षमता / प्रभावकारिता हो, यथा; फिल्मी, खेल हस्तियां।

अनुनय के माध्यम से विज्ञापन की इस प्रणाली हेतु इन ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को काफी भारी भुगतान भी किया जाता है। निःसन्देह इससे कंपनी को काफी मुनाफा होता है तथा उसकी बिक्री बढ़ती है लेकिन इससे कई बार उपभोक्ता को पर आर्थिक वित्तीय भार व भ्रामक विज्ञापन के शिकार होने के रूप में सामने आता है।

नैतिक आयाम

① जनता की आवश्यकता बनाम कंपनी का लाभ

निःसन्देह कई उत्पादों को ~~बिक्री~~ करीब इन ख्याति प्राप्त व्यक्तियों के अनुभवी करते हैं जो

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कि इनके स्वास्थ्य व खर्च पर अनावश्यक दबाव डालती है। केवल भारी-भरकम विज्ञापन के कारण लोग ऐसा करते हैं। इससे जनता के हितों का नुकसान होता है जबकि कंपनी को फायदा।

2. ख्याति प्राप्त व्यक्ति का नैतिक उत्तरदायित्व बनाम भारी भुगतान प्राप्त करने का लालच →

वास्तव में ये व्यक्तित्व जनता के लिए आदर्श की तरह होते हैं और वो उनकी हर बात को सही मानकर उनका अनुकरण करती है लेकिन ये लोग पैसे के लिए कई बार भ्रामक विज्ञापन भी देते हैं यथा: 7 दिन में गोरेपन का राज (Fair & Lovely) ऐश्वर्या राय का विज्ञापन।
इससे ये अपनी लोकप्रियता का अनैतिक इस्तेमाल करते हैं।

3. भारी भुगतान का बोझ भी अंतत: उपभोक्ता को ही वहन करना होता है, जो उसके लिए अहितकारी है।

4. कई बार विज्ञापन पर कर्त्ता द्वारा गलत जानकारी दी जाती है जो उपभोक्ता को स्वास्थ्य व वित्तीय दोनों रूप से नकारात्मक प्रभावित करती है।

कंपनी व विज्ञापनकर्त्ता व्यक्तित्व दोनों की समान कोटि उत्तरदायित्व है कि केवल वित्तीय लाभ हेतु वे उपभोक्ताओं को गलत व नकारात्मक रूप से प्रभावित न करें।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Lack of cleanliness in urban areas despite schemes such as the Swachh Bharat Abhiyan point to difficulties faced in bringing about attitudinal and behavioural changes. Discuss. 10

'स्वच्छ भारत अभियान' अभिवृत्ति परिवर्तन करके स्वच्छता व सौन्दर्य को बढ़ाने की एक महत्त्वाकांक्षी पहल है। जिसमें शौचालय निर्माण से लेकर घर आस-पास की सफाई व कचरा निपटान इत्यादि भी सम्मिलित हैं।

लेकिन शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई का अभाव या पर्याप्त परिणाम न प्राप्त करना दिखाता है कि शिक्षित होने के बावजूद भी जब तक व्यक्ति की अभिवृत्ति परिवर्तित नहीं होती है, तब तक अपेक्षित परिणाम नहीं पाये जा सकते हैं।

उदाहरण के लिए, कुछ व्यक्ति डस्टबिन का इस्तेमाल करने की बजाय गंदगी के ढेर पर ही कूड़ा डालते हैं कि यहां पहले से गंदगी तो है ही। ~~इसकी~~ इसी सोच के कारण वह छोटा ढेर एक दिन बड़ा गंदगी स्थल बन जाता है जो अनेक असुविधाओं और बीमारियों को जन्म देता है।

वास्तव में शहरी साफ-सफाई का अभाव संसाधनों के अभाव या स्वच्छ भारत अभियान की जानकारी के अभाव का परिणाम नहीं है बल्कि यह

VISION IAS™
Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सोच व व्यवहार में बदलाव न लाने का परिणाम है। वास्तव में यदि सोच व व्यवहार बदलना है तो आपको समग्र आगत (Input) की आवश्यकता है। सोच और व्यवहार एक दूसरे से ही अन्तर्संबंधित है।

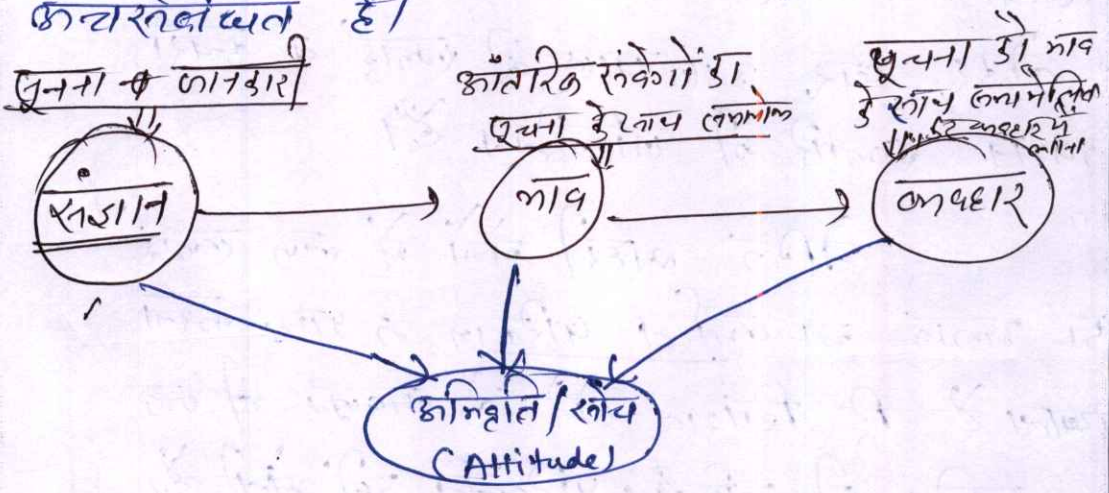

स्वच्छ भारत अभियान ने लोगों के संज्ञानात्मक पक्ष को तो प्रभावित किया है लेकिन भावात्मक व व्यवहारात्मक पक्ष पर कार्य नहीं किया है, इसलिए अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाये हैं।

आवश्यकता है कि लोग स्वच्छता के महत्त्व को समझे तथा अनुभव करें और दूसरों के अच्छे व्यवहार का अनुपालन /अनुकरण करते हुए सफाई की आदतों को व्यवहार में लाएं।

इसके लिए इस अभियान के प्रवर्तक व ख्याति प्राप्त व्यक्तित्व अभिवृत्ति परिवर्तन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

2. **(a)** Issues around economic inclusion are not just about income gaps, there are many dimensions of moral and ethical choices as well. Discuss. 10

आर्थिक समावेशन से तात्पर्य उन प्रक्रियाओं (दशा) से है जिनके माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति (क्षेत्रवार, सामाजिक स्तर पर) तक आर्थिक गतिविधियों / क्रियाओं में भागीदारी सुनिश्चित हो, विशेषकर दलित, महिलाएं, आदिवासी इत्यादि।

आर्थिक समावेशन के लिए अनेक कार्यक्रम यथा: जन धन योजना, स्टार्ट अप, स्टैंड अप, कौशल निर्माण इत्यादि चलाये जा रहे हैं लेकिन इनकी सफलता में अनेक आयाम बाधक हैं।

सबसे बड़ा कारण 'आय अंतराल' को माना जाता है कि समाज का अंतिम व्यक्ति / निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर का व्यक्ति मुख्यधारा के लोगों से इसलिए पीछे है कि उसके पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन नहीं और प्रतिस्पर्धा में नहीं ठहर पा रहा है। यथा: एक तरफ अंबानी तो दूसरी ओर (एक व्यक्ति)।

लेकिन केवल आय अंतराल ही इसका एकमात्र कारण नहीं है क्योंकि 'दलित पूंजीवाद' (उदाहरण) के उदय के बावजूद उनको अपेक्षित आर्थिक समावेशन व स्वीकार्यता न मिलना इसके पीछे निहित नैतिक व आचारिक विचलन को भी उत्तरदायी मानता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक व आचरण चयन में व्यक्तिगत व सामाजिक मूल्यों व नैतिकता के अनुरूप आर्थिक क्रियाओं को वरीयता या अपेक्षा दी जाती है।

यथा: मुस्लिम समाज में सूद पर पैसा देना अनैतिक माना जाता है तो मारवाड़ी वर्ग प्रत्येक आयाम को व्यावसायिक हित से ही देखते हैं।

इसका पक्ष सरल संबंधित हित धारकों के नैतिक व आचरण से भी प्रभावित है-

सेवा प्रदाता व सुविधा प्रदाता (सरकार व प्रशासन)	सेवा प्राप्तकर्ता व आम जनता
→ उत्तरदायित्व का अभाव	→ कुछ नैतिक मान्यताओं के कारण कुछ व्यवसायों को निकृष्ट मानना यथा: माँस उद्योग
→ नैतिकता का अभाव (भ्रष्टाचार ज्यादा)	→ उच्च उद्यमशीलता व आत्मविश्वास का अभाव
→ सहयोगी की अपेक्षा हतोत्साहक	→ धर्मानुसार या क्षेत्रानुसार परम्परागत व्यवसाय को ही जारी रखना
→ उच्च वर्गों की ही पोषक इत्यादि।	→ नियतिवादी होकर यथास्थिति को ही जारी रखना।
→	

अतः स्पष्ट है कि आर्थिक समावेशन के लिए केवल आय अंतराल भरना ही पर्याप्त नहीं बल्कि लोगों के मूल्यों, आचरण व अभिवृत्ति में भी सकारात्मक परिवर्तन अपेक्षित है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** Socially and economically marginalized women are used to make a profit, often at the cost of their own health and reproductive autonomy, in the name of commercial surrogacy. Discuss the ethical issues associated with commercial surrogacy in India. Should commercial surrogacy be completely banned? 10

किसी संतान दंपत्ति के लिए किसी अन्य की कोख किराये पर लेकर बच्चा प्राप्त करना, सरोगेसी कहलाता है। वास्तव में परमार्थ व मानवीयता के आधार पर की जाने वाली यह सेवा भावना आज कई दलालों / बिचौलियों के लिए लाभ का धंधा बन गया है।

भारत में वर्ष 2002 से वाणिज्यिक सरोगेसी की अनुमति के उपरांत इसने व्यवसाय का रूप धारण किया। सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े महिलाओं ने अपने परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए इस गतिविधि को अपनाया। लेकिन उनकी निरक्षरता, अज्ञानता (मौलिक/अधिकार) व गरीबी का फायदा उठाकर दलालों ने उनका शोषण किया है।

अधिक मुनाफे के लालच में इन सरोगेट माताओं के स्वास्थ्य पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है तथा कई बार यह उनके लिए घातक भी होता है। कई बार परिवार के दबाव में महिलाएं सेवा करती हैं तो उनके प्रजनन स्वायत्तता का हनन होता है।

नैतिक मुद्दे

⇒ परमार्थ एवं वाणिज्य व्यवसाय → पारस्परिक मानवीयता के आधार पर किए जाने वाली सरोगेसी का व्यावसायिकरण करने से मुनाफा कमाना ही उद्देश्य है जो उसके उद्देश्य का विरोधी है।

⇒ सरोगेट माता का भावनात्मक लगाव.
– कई बार सरोगेट महिलाएं बच्चे से भावनात्मक रूप से जुड़ाव महसूस करती हैं और इसे उनके जैविक माता पिता को देने से मना कर देती हैं। इससे मातृत्व का मुद्दा उठता है

⇒ सरोगेट माता व जैविक माता की स्थिति -
कई बार जैविक माता पिता में संबंध विच्छेद (जापानी दंपति का मामला) होने पर यह जुड़वा बच्चे होने पर (आस्ट्रेलिया का मामला) बच्चे अपनाने से इनकार का बोझ सरोगेट मदर पर आना।

⇒ नागरिकता व केवल शौक के लिए बच्चा पैदा करवाना जो जैविक दंपत्ति द्वारा सरोगेसी के द्वारा करवाना जैसे अनैतिक आचरण शामिल।

वाणिज्यिक सरोगेसी निःसन्देह गरीब व पिछड़ी महिलाओं के लिए बड़ी आजीविका का साधन है लेकिन उनके स्वास्थ्य, प्रजनन स्वायत्तता, बच्चे के भविष्य, इस व्यवसाय के दुरुपयोग इत्यादि के आधार पर इसका विनियमन बेहतर विकल्प होगा ना कि एक प्रतिबंध।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** While discussing the ethical issues that journalists face on a regular basis, examine the causes of increased sensationalism in news media in recent times. 10

पत्रकारिता को लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में एक उत्तरदायी व जवाबदेही का अनुपालन करना होता है लेकिन वर्तमान दौर में पत्रकारिता के व्यवसायीकरण के कारण तथा अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा ने अनेक नैतिक मुद्दों को जन्म दिया है।

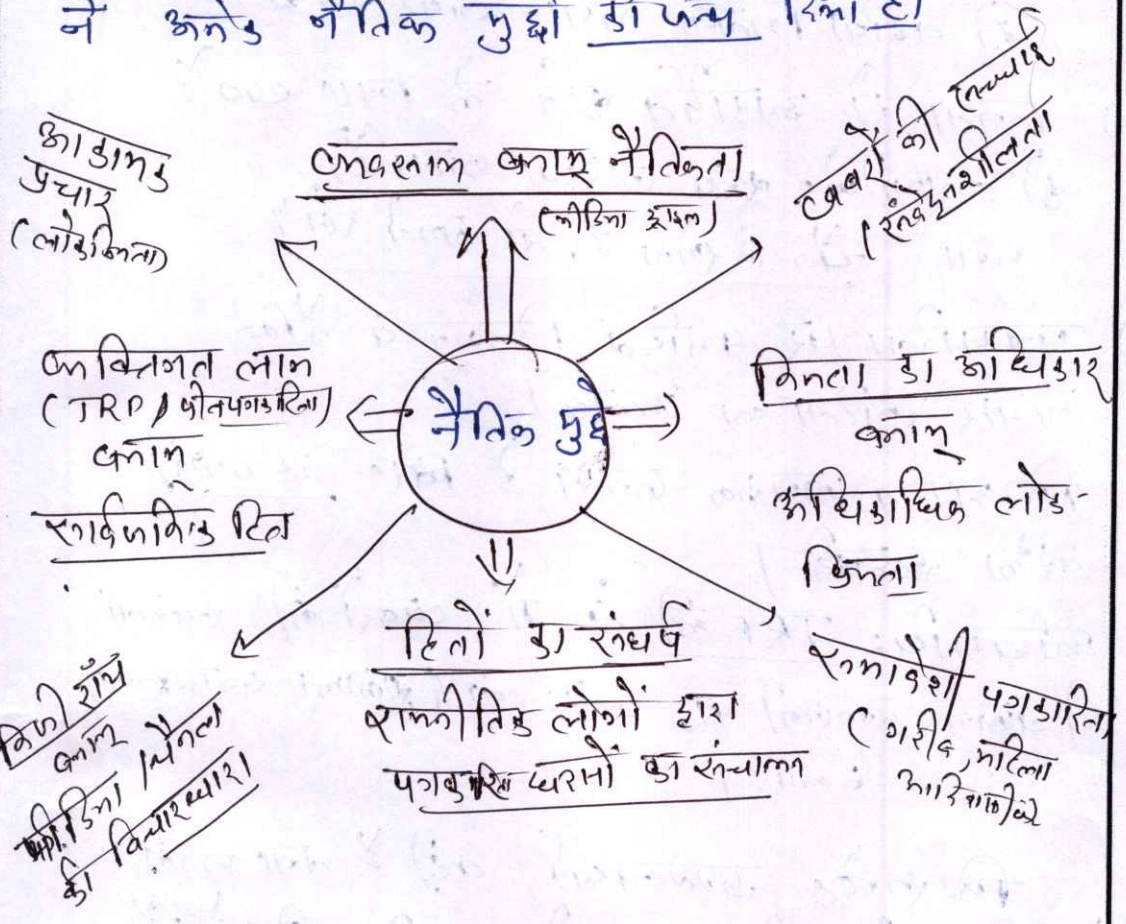

तमाम मुद्दों से पत्रकारों को आए दिन दो-चार होना पड़ता है। ऐसे में उनके अंदर स्वार्थनिष्ठा, सार्वजनिक व निजी हित का द्वंद्व बना रहा है। फिर भी भारतीय पत्रकारों ने अपने उत्तरदायित्व पूर्ण कर्तव्य निर्वहन करते हुए बड़े-बड़े घोटालों का

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर्दाफाश किया है। यथा: 2G स्पेक्ट्रम, कोयला आवंटन, जेसिका लाल केस, तहलका इत्यादि।

समाचार जगत में अधिकाधिक सनसनी फैलने का कारण -

⇒ बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में आक्रामक प्रचार को बढ़ावा मिलना यथा, खबरें 24 घंटे।

⇒ जनता को आकर्षित करने के लिए खबरों को सनसनीखेज रूप दे दिया जाता है। यथा, "चैन से सोना है, तो जागते रहो"

⇒ पत्रकारिता पर प्रशिक्षित शिक्षण व नैतिक आचार संहिता का अभाव।

⇒ शिक्षित व जागरूक जनता के लिए नए प्रभावी तरीका इत्यादि।

⇒ अधिकाधिक TRP की होड़ में खबरों की सत्यता की बजाय सनसनी पर ज्यादा बल। (मुकाबला सबसे तेज इत्यादि)

निःसन्देह प्रतिस्पर्धा बढ़ी है तथा जनता की रुचि भी इसी तरह की पत्रकारिता की ओर है तथापि पत्रकारों से अपेक्षा की जाती है कि वे लोकतंत्र के प्रहरी हैं इसलिए वो सत्यतापरक, समुचित वाद विवाद व प्रमाणित खबरें ही जनता तक पहुंचाये तथा अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए जनता को जागरूक करें।

3. **(b)** What are the various sources through which humans can judge the correctness of their actions? In the context of public life discuss how these sources are important in offering a clear and practical guidance. 10

व्यक्ति समाज का एक अभिन्न अंग है तथा इसकी गतिविधियां / क्रियाकलाप सामाजिक पक्षों से प्रभावित होते हैं तथा उसके व्यवहार को मार्गनिर्देशित भी करते हैं तथा इसके कृत्यों के औचित्य का परीक्षण करके उनके उचित व अनुचित होने को सिद्ध करते हैं।

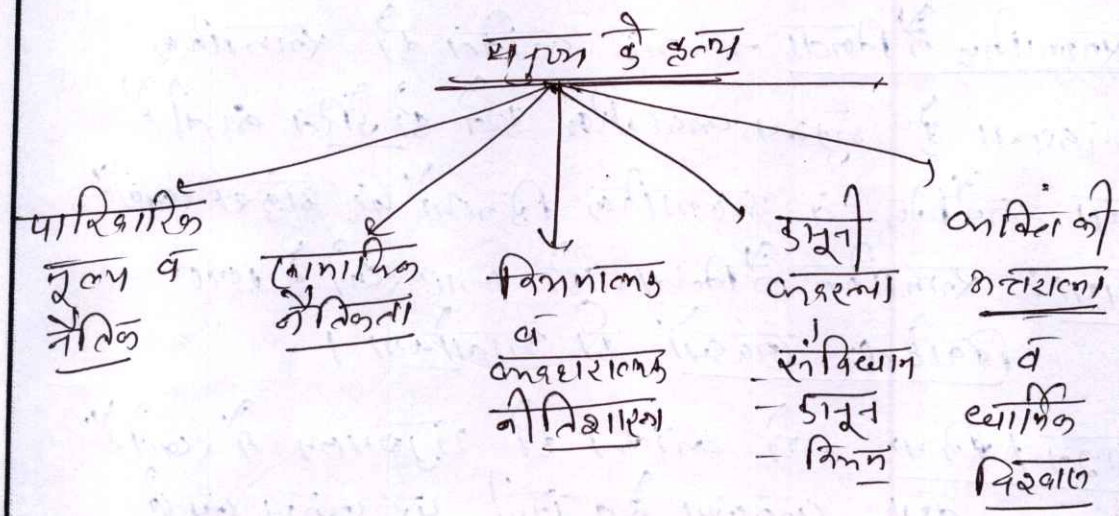

उपरोक्त विभिन्न आयाम व्यक्ति / मनुष्य के कृत्यों को औचित्य का परीक्षण करते हैं जहाँ ये कृत्यों के आंतरिक पक्षों (अन्तरात्मा, नैतिकता) व बाह्य पक्षों (समाज, परिवार, राष्ट्र / कानून) दोनों के आधार पर जांचता है। यदि दोनों में सामंजस्य है तो वो बेहतर कृत्य है अन्यथा आंशिक व अधूरा। जहां आंतरिक पक्ष पूरा न होने पर

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

आत्मग्लानि का भाव / अपराधबोध परेशान करता है वहीं बाह्य पक्ष अशुद्ध होने पर शर्म, बहिष्कार इत्यादि।

ये पक्ष सार्वजनिक जीवन के संदर्भ में स्पष्ट व व्यवहारिक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

→ पारिवारिक मूल्य व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं तथा व्यक्ति में संवेदनशीलता बढ़ाते हैं (संयुक्त परिवार) साथ ही नारी सम्मान की भावना बढ़ाना इत्यादि।

→ सामाजिक नैतिकता → यह व्यक्ति को सामाजिक व्यवस्था के अनुरूप व्यवहार करने को प्रेरित करती है तथा अनैतिक व असामाजिक क्रियाओं पर अंकुश रखती है। यथा: सामाजिक नैतिकता को बनाए रखने के लिए विवाहेत्तर संबंधों की आलोचना।

→ कानून / नियम - ये व्यक्ति को अनुशासन में रखते हैं तथा व्यवस्था हेतु सभी पर समान रूप से लागू होते हैं। उल्लंघन पर दंड भी मिलता है।

→ अंतरात्मा → यह व्यक्ति को समाज / सार्वजनिक हित में स्वार्थ की तिलांजलि देने का संकेत देती है तथा नैतिक आचरण हेतु प्रेरित करती है।

→ सिद्धांतात्मक व व्यवहारिक नीतिशास्त्र - नैतिकता के मानकों के आधार से परिचित करवाती है।

अतः उपरोक्त सभी आयाम व्यक्ति के व्यवहार को मार्गनिर्देशित करने के साथ-साथ नियमित भी करते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** Should a person resort to leaking of information in case of wrongs done in the organization ? Does it cause a conflict of interest between the personal, organizational and societal spheres? Discuss with examples. 10

कोई भी संगठन एक साझा उद्देश्य की पूर्ति के लिए कार्यरत होता है जो एक सशक्त नेतृत्वाधीन संगठित प्रणाली के रूप में कार्य करता है। इसी क्रम में यदि कोई गलती संगठनात्मक स्तर पर हुई है तो इसकी सूचना को लीक करना परिस्थिति व सूचना के महत्त्व पर निर्भर करता है।

यदि कोई गलती इस स्तर की है कि वो संगठन के हित धारकों के साथ साथ व्यापक सामाजिक व आर्थिक प्रभाव रखती है, तो इसे अवश्य लीक किया जा सकता है; जैसे कि सत्यम कम्प्यूटर्स में हुई बड़ी धांधली।"

यदि गलती केवल मानवीय भूल का परिणाम है या जिसे संज्ञान लेकर सुधारा जा सकता है तो इस पर कुछ समय चुप रहना ही उचित है। यथा; तथा संगठनात्मक स्तर पर ही सुधार किया गया; सैमसंग द्वारा अपने फोन जिनमें कमी थी, वापिस लेना।

सूचना के लीक करने के आयामों पर हम जब चर्चा करते हैं तो विभिन्न हितधारकों के संघर्ष उभर कर आते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

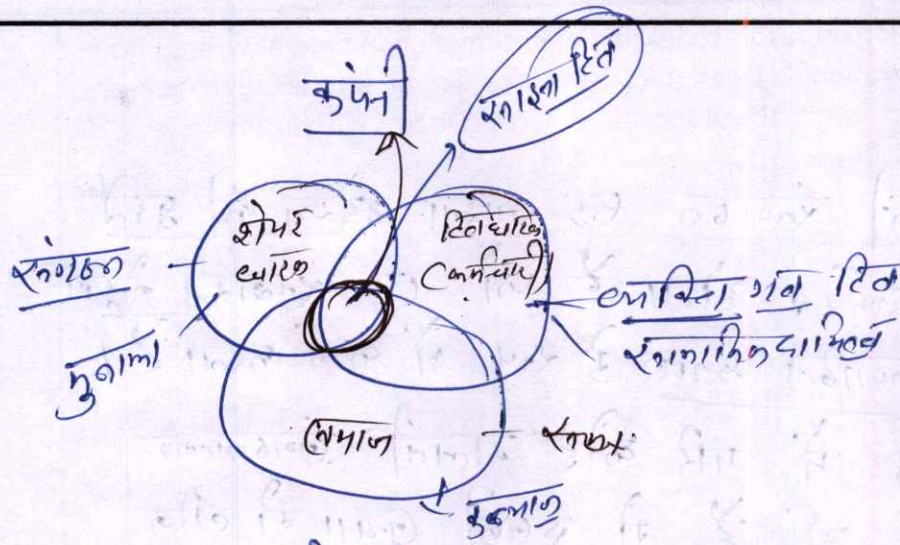

जहां पर तीनों के हित ऊपरी स्तर पर अलग-2 दिखाई देते हैं यथा; संगठन - अधिकाधिक मुनाफा मुनाफा, कर्मचारी - व्यक्तिगत लाभ व संगठन का विकास तथा समाज - जनकल्याण व मानवीय हितों का संरक्षण करना। तीनों में संघर्ष स्वाभाविक जान पड़ता है।

व्यक्ति को अपने हित / नौकरी में गलती को छुपाना उचित है इससे अपना तो फायदा होगा, हो सकता है समाज को बड़ी हानि हो।

इसी प्रकार संगठन का हित (वोक्सवैगन केस) तो लेकिन सामाजिक वहन की अपेक्षा की जाए।

लेकिन यदि हम समझता से देखें (दीर्घकालीन/पर्यावरणीय प्रभावों की अवहेलना) तो तीनों के हित पारस्परिक सहयोग पर आधारित हैं क्योंकि कंपनी / संगठन का व्यक्ति का हित समाज में ही है और समाज व्यक्तियों के लिए ही है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Competition, it is argued, spurs the best of performance, however, can it also instigate cheating and unethical behaviour? Discuss with adequate examples. 10

"अकेला इंसान दौड़ में हमेशा प्रथम ही आता है लेकिन वास्तविक विजेता वही है जो समूह में दौड़कर प्रथम आये" क्योंकि प्रतियोगिता व्यक्ति को अपनी क्षमताओं व ~~क्षमता~~ संभावनाओं के समुचित उपयोग को प्रेरित करती है तथा उन्हें और परिष्कृत व उत्कृष्ट करती है।

उदाहरण के लिए मोबाइल फोन सेवा के शुरुआत में 1-2 कंपनियों के कारण कॉल दर ज्यादा व गुणवत्ता कम थी लेकिन वर्तमान में प्रतियोगिता बढ़ने से कॉल की दर बहुत ही तार्किक या निम्न हैं तथा गुणवत्ता दिन-दिन प्रतिदिन बढ़ रही है।

उदाहरण से स्पष्ट है यदि आपको प्रतियोगिता में खड़े रहना है तो सर्वोत्तम प्रदर्शन करना ही होगा अन्यथा आप दौड़ में पिछड़ जाएंगे।

यह तो प्रतियोगिता को व्यक्ति अधिक नवाचारी बनने, नये ढंग से सोचने व अपना सर्वोत्तम देने को प्रेरित करता है।

लेकिन एक दूसरा पक्ष है -

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कई बार प्रतियोगिता स्वस्थ न होकर अनैतिक व धोखाधड़ी के रूप में सामने आती है। बढ़ती मलाकार प्रतियोगिता के चलते प्रत्येक रोज आने दिन इनसाइडर ट्रेडिंग, साथी उधम की हत्या, सहपाठी का परेशान करना इत्यादि रूप में आता है।

इन उदाहरणों से स्पष्ट है यहां पर व्यक्ति अपनी क्षमताओं व संभावनाओं को सर्वोत्तम बनाने की बजाय अपनी ऊर्जा दूसरों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए लगाता है। हाल ही में कुछ NGO द्वारा विकास विरोधी फंडिंग लिया जाना इस अनैतिक व्यवहार को इंगित करता है।

इसी प्रकार धोखाधड़ी करवाई जाती है। किसी प्रतिस्पर्धी के कर्मचारी को प्रलोभन देकर गुप्त सूचनाएं लेना, आंकड़ों में धांधली इत्यादि।

अतः स्पष्ट है कि प्रतियोगिता हमेशा सर्वोत्तम की चाह का प्रतीक है लेकिन कई बार इसको नकारात्मक रूप देकर प्रतिद्वंद्विता में बदल दिया जाता है जो समाज को नकारात्मक बनाता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** "A person may cause evil to others not only by his actions but by his inaction, and in either case he is justly accountable to them for the injury". Explain the statement giving one example each from personal and public life. 10

मनुष्य की कल्पना ही एक कर्मशील इंसान के रूप में की गयी है। जीवित रहने के लिए व्यक्ति को कार्य करने पड़ते हैं। वह उनके करने पर निर्भर करता है कि वे उचित /लाभदायक हैं या हानिकारक।

यदि इंसान कोई कार्य करता ही नहीं, तो यह तो सर्वप्रथम उसकी कल्पना पर ही प्रश्न चिह्न लगाता है। निष्क्रिय इंसान उस पानी की तरह है जिसमें गतिहीनता आ गयी है, वह निश्चित ही कुछ समय बाद सड़ेगा तथा स्वयं का और अपने आस-पास का हित करेगा।

ठीक उसी प्रकार निष्क्रिय मानव भी अपने स्व और अपने पर निर्भर व्यक्तियों को प्रभावित करता है। अपनी प्रत्येक गतिविधि या निष्क्रियता की जिम्मेदारी अंततः उस व्यक्ति की स्वयं की है।

उदाहरण के लिए, मोहन एक सरकारी विभाग में कार्यरत है। यहां पर उसको बीमा क्लेम का निपटान करना है। प्रथम केस में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वह भ्रष्टाचार के तहत रिश्वत की मांग करता है और पीड़ित लोगों को हानि पहुंचाता है (कार्य करना)। दूसरे केस में, वह कार्य नहीं करता है और निष्क्रिय रहता है। इससे अपेक्षित व्यक्ति को समय पर लाभ न मिलने से पीड़ित व्यक्ति की जान चली जाती है। यह एक कार्मिक के रूप में दोनों हानियों के लिए जवाबदेह है।

एक व्यक्ति अत्यधिक शराब का सेवन करता है और इस कार्य से वह स्वयं को स्वास्थ्य हानि पहुंचाता है जो अंततः इसकी मृत्यु का कारण बनती है। वहीं यह जानने के बावजूद भी कि वह फिका नहीं बचेगा यदि वह पर्याप्त शारीरिक व्यायाम व नियमित रूप से दवा नहीं लेता है और अंततः वह सेवन नहीं करता है और मर जाता है केस में उसके परिवार में उसकी पत्नी को पहले शराब पीने के कारण व बाद में निष्क्रियता के चलते व्यायाम न करने के कारण नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) "A people that values its privileges above its principles soon loses both." What does this quotation mean to you? Explain with an example. 10

'सिद्धान्त' जहाँ व्यक्तित्व के सत्यनिष्ठा वाले पक्ष को इंगित करते हैं वहीं विशेषाधिकार व्यक्तित्व के सुविधाभोगी पक्ष को।

यदि व्यक्ति अपने सिद्धान्तों का बेहतर अनुपालन करता है तो उसके व्यक्तित्व में एक सरलता व स्थिरता देखने को मिलती है और उसे उत्तरदायित्व होगा। वह ईमानदारी, नैतिकता, कर्तव्यनिष्ठा, लोकहित लक्ष्य इत्यादि के प्रति समर्पित होगा। यह एक प्रकार से व्यक्ति के उत्तरदायित्व के पक्ष को दिखाता है।

दूसरा, पक्ष विशेषाधिकारों का है, यहां पर यदि व्यक्ति अपने सिद्धान्त व विशेषाधिकारों में संतुलन नहीं करता है तो निश्चित ही भ्रष्ट व कर्तव्यविमुख होगा। लार्ड एक्टन के अनुसार - "पूर्ण शक्ति व्यक्ति को पूर्णतया भ्रष्ट बनाती है।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ऐसे में व्यक्ति अपनी सुविधाओं व विशेषाधिकारों के लिए अपने सिद्धान्तों / मूल्यों से समझौता करने लगता है और सुविधाभोगी बन जाता है धीरे-2 उसके व्यक्तित्व का ह्रास होता है और साथ ही गलत कार्यों में संलग्नता से सजा भी मिलती है।

ऐसे में दोनों की हानि होती है सिद्धान्त व विशेषाधिकार। उदाहरण के लिए - एक समय के सरकार ने एक प्रशासनिक अधिकारी को समाज कल्याण विभाग का सचिव बनाया (जो उसके अपने सिद्धान्तों ईमानदारी व कार्यनिष्ठा के कारण संभव हुआ), और साथ ही उसे समाज कल्याण कार्यों के क्रियान्वयन हेतु विशेष शक्तियां भी दी। लेकिन वहां वह भौतिकवादी बनकर अपने सिद्धान्तों से समझौता करता है और भ्रष्ट गतिविधियों में संलिप्त होता है। अंततः उसे बर्खास्तगी सहनी पड़ी व सजा मिली।

लेकिन यह हमेशा ऐसा ही नहीं, कई बार सिद्धान्त जाने पर भी विशेषाधिकार बने रहते हैं (राजनीति में अपराधी) लेकिन वो हमेशा ही अस्थिरचित्त और समाज के लिए अहितकर होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Instances of atrocities against dalits despite stringent legal measures point to the fact that the problem is not one of legality only but a matter of entrenched social prejudices and attitude. In this context suggest some effective measures to address the issue holistically. 10

ऐतिहासिक यातना व वंचना के शिकार दलितों के संरक्षण के लिए संविधान के अनुच्छेद 14, 15 में समान व्यवहार के साथ-2 1955 का नागरिक अधिकार अधिनियम व 1989 का अनुसूचित वर्गों के प्रति क्रूरता प्रतिबंध अधिनियम जैसे प्रावधानों के बावजूद भी आज तक दलितों पर यातनाएं व अत्याचार / भेदभाव समाप्त नहीं हुए हैं।

वास्तव में कानून अमूर्त होते हैं और वो जब तक प्रभावी नहीं हो सकते हैं जब तक कि उनको क्रियान्वित करने वाले (सरकारी तंत्र व उच्च वर्ग) अपनी अभिवृत्ति को सकारात्मक नहीं करते हैं। उदाहरण. हाल ही में दलित आंदोलनकारियों पर पुलिस की ज्यादतियां व समाज की उपेक्षा इसका स्पष्ट उदाहरण है।

क्योंकि, समस्या केवल कानूनी पहलू पर नहीं बल्कि व्यवहारिक पक्ष है प्रशासनिक मशीनरी में भी उच्च (प्रभावी) वर्गों का जातिगत

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

है तथा वह इन वर्गों के प्रति पूर्वाग्रह रखता है कि ये गन्दे व निम्न होते हैं और यह उनके (प्रशासन) के व्यवहार में भी झलकता है। चाहे भी कोई दलितों पर अत्याचार की रिपोर्ट लिखनी हो या कोई योजना का लाभ देना हो।

अभिवृत्ति (संज्ञानात्मक, व्यवहारात्मक, भावात्मक) उनकी इनके प्रति हमेशा शोषण करने व शासन करने की रही है। जब तक यह नहीं बदलती तब तक अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे।

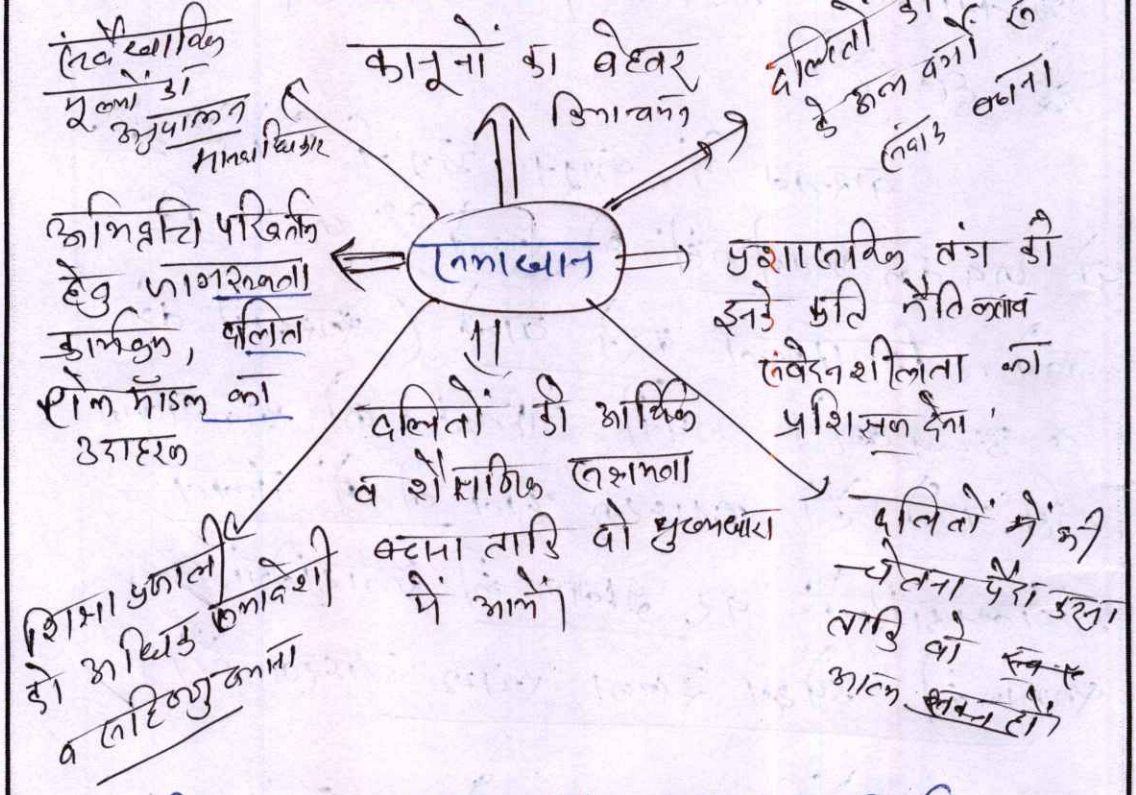

बेहतर रणनीति और अभिवृत्ति परिवर्तन तकनीकों (अनुनय, अनुपालन, आज्ञाकारिता आदि) द्वारा ही समावेशन संभव है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What do you mean by 'anonymity in the civil services'? Explain why anonymity and neutrality are considered as important traits for civil servants. 10

सिविल सेवा में अवैयक्तिकता से अभिप्राय है कि व्यक्ति की व्यक्तिगत पहचान या नाम प्रस्तु कार्य नहीं किए जाएँगे बल्कि प्रत्येक कार्य उसके पद (यथा सचिव) के नाम से किए जाएँगे या फिर संबंधित राजनैतिक प्रमुख के नाम से (विभाग प्रमुख)।

सिविल सेवकों को कार्यकाल की स्थिरता दी जाती है और वो मुख्यत: सरकारी नीतियों के क्रियान्वयन को देखते हैं ऐसे में नीति की सफलता व असफलता की अंतिम जिम्मेदारी अंतत: जनता के प्रतिनिधियों की होती है, ना कि सिविल सेवकों की।

साथ ही, सिविल सेवकों को विभिन्न विचार धाराओं वाले राजनीतिक दलों की सरकारों के साथ कार्य करना पड़ता है, ऐसे में उनकी राजनीतिक तटस्थता आवश्यक है अर्थात् वो किसी राजनीतिक विचारधारा से न जुड़े हों और निष्पक्ष होकर नीतियों का क्रियान्वयन

करें, देशहित व जनता के प्रतिनिधियों द्वारा की निर्धारित आदेश पालना उनका कर्तव्य है।

उदाहरण के लिए एक अधिकारी व्यक्तिगत रूप से मार्क्सवादी विचारधारा को मानता है लेकिन यदि सरकार उदारवादी विचारधारा को मानती है तो उससे (अधिकारी) से अपेक्षा की जाती है कि बिना किसी पूर्वाग्रह या संलग्नता के तटस्थ भाव से नीति क्रियान्वयन करेगा।

इसी तरह स्वच्छ भारत अभियान की सफलता असफलता का श्रेय इस कार्यक्रम को चलाने वाले सिविल सेवक को नहीं बल्कि सरकार को जाता है।

राजनीतिक कार्यपालिका व प्रशासनिक कार्यपालिका में उचित समन्वय व बेहतर क्रियान्वयन हेतु दोनों मूल्य अति आवश्यक है।

8. Prescription of dresscode for women not only violates their liberty but also reflects outdated views on gender relations as well as proper conduct. Comment. 10

महिला की एक अलग व्यक्तित्व का प्रतिपादित करती है लेकिन उसके खाने-पीने, पहनावा इत्यादि उसकी अपनी वैयक्तिक इच्छा व चयन का विषय है। (संविधान)

लेकिन कई बार पूर्वाग्रह ग्रस्त व दकियानूसी विचारों वाला तथाकथित संकीर्ण समाज उसकी स्वतंत्रता को नकारते हुए उसे एक निर्धारित ड्रेसकोड यानि साड़ी या सूट-सलवार पहने के निर्देश देता है। उदाहरण के लिए कुछ खाप पंचायतों ने ऐसे निर्णय दिए हैं।

निसन्देह ऐसे आदेश एक महिला के स्वतंत्रता के अधिकार का हनन है और लैंगिक संबंधों व आचरण संबंधी संकीर्ण सोच है। इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि इन लोगों ने महिलाओं को कभी अलग व्यक्तित्व माना ही नहीं बल्कि हमेशा उसे वस्तु (object) की तरह देखा तथा पुरुष की इच्छानुसार काम करने वाली। साथ ही, कपड़ों व वेशभूषा के साथ इज्जत संबंधित हो गयी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~किस~~ जींस या शॉर्ट्स पहनना ~~वैचारिक~~ नारी की गरिमा व उनके साथ दुर्व्यवहार का परिचायक है, ऐसी सोच वाले समाज में लैंगिक समानता तो दूर-दूर तक नजर नहीं आती है।

साथ ही लड़की को कैसे चलना है, कहां जाना है या क्या आचरण करना है, यह उनके पुरुष अभिभावक ही निर्धारित करेंगे।

निःसन्देह यह महिला के प्रति पूर्वाग्रह सोच है तथा यह महिला के संवैधानिक व मानवाधिकारों दोनों का उल्लंघन है।

यदि ड्रेसकोड का विधान करने से आचरण व लैंगिक संबंध निर्धारित होते तो एक 80 वर्षीय महिला का बलात्कार कभी नहीं होता।

अतः आवश्यकता है अभिरुचि परिवर्तन की तथा महिला अधिकारों को सुनिश्चित करने की न कि ड्रेसकोड विधान बनाकर नारी अपमान की।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You are DM of of a very poor district in the hinterland of India. It has come to your notice that manual scavenging is widely prevalent in the district even though the new law prohibits manual scavenging in any form. Upon enquiry, you have found that the number of manual scavengers has been reported to be very low, however, hundreds of dry latrines in the district depict a different picture. You have also noticed two more important trends: first, most of the manual scavengers are Dalits, and second, in many of the cases they themselves go to the houses and request the owners to clean their toilets manually, as it would provide monetary benefits. The entire district administration has been criticized by the media and there is political pressure on you to manipulate the data in a way that it shows less number of manual scavengers in the district. Based on the given information answer the following:

1. Identify the ethical issues associated with manual scavenging.

2. List the options available to you in the given case. Evaluate the merits and demerits of each.

3. Discuss some feasible steps that you can take to control this serious problem.

20

संबंधित विषय मैला ढोने जैसी अमानवीय प्रथा के प्रचलित होने तथा विधानों के बावजूद व्यवहार में बने रहने से संबंधित है और साथ ही एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में DM के कर्तव्यों व चुनौतियों को इंगित करता है।

(1) मैला ढोने की प्रथा अनेक नैतिक मुद्दों को दर्शाती है- जो किसी भी सभ्य समाज की बुनियाद को कमजोर करती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मानवीय गरिमा बनाम प्रथा

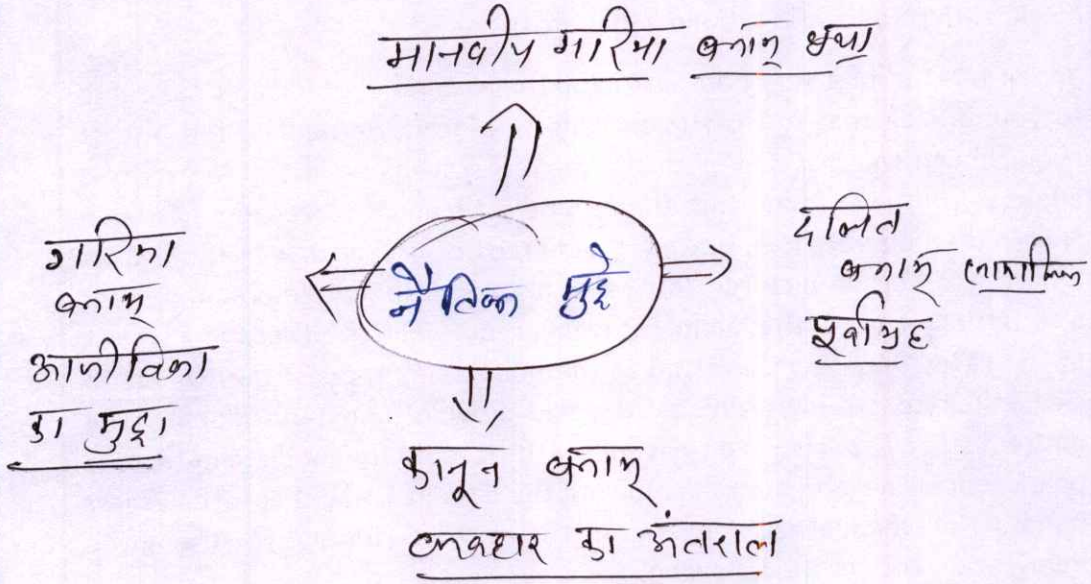

गरिमा बनाम आजीविका का मुद्दा ⇐ नैतिक मुद्दे ⇒ दलित बनाम सामाजिक पूर्वाग्रह

कानून बनाम व्यवहार का अंतराल

(2). एक जिलाधिकारी के समक्ष संभावित स्थिति में निम्नलिखित विकल्प मौजूद हैं -

(a) मामले की पूरी जांच करवाना तथा संभावित कारणों को जानकर मैला ढोने की प्रथा का व्यावहारिक समाधान खोजना -

गुण - इस तरह की अपेक्षा आपकी प्रशासनिक दक्षता को दर्शाती है। साथ ही यह प्रशासनिक अधिकारी में इस प्रथा के पीड़ित लोगों के प्रति समानुभूति दिखाते हुए व्यवहारिक व स्थायी ~~निर्णय~~ समाधान दिखाती है।

अवगुण - यहां पर आपको ~~अपने~~ ऊपर आने वाले राजनीतिक दबाव का समाधान करना मुश्किल होगा, क्योंकि अपेक्षित कार्रवाई में समय

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

लगेगा और मीडिया में मुद्दा हावी है
फिर भी यह विकल्प काफी बेहतरीन है और यदि कुशल प्रशासनिक क्षमता है तो दीर्घकालिक उपायों की ही प्राथमिकता देना उचित।

(2) राजनीतिक दबाव के चलते कम आंकड़े दिखाना
गुण - राजनीतिक कार्यपालिका के आदेश की पालना तथा आपकी स्थिति पर भी कोई संकट नहीं आएगा साथ ही, मीडिया भी चुप रहेगी।

अवगुण - अमानवीय प्रथा को प्रश्रयता प्रोत्साहन देना आपकी प्रशासनिक जवाबदेहिता व व्यक्तिगत ईमानदारी पर प्रश्नचिह्न लगाती है साथ ही, यदि कभी जांच हुई तो आप बर्खास्त भी किए जा सकते हैं

यह कानूनी और मानवीय दोनों पक्षों से हानिकारक विकल्प है। यह कभी भी एक अधिकारी के लिए वांछनीय नहीं है।

(3) कानून का सख्ती से पालन करवाना व दोषी लोगों (काम करने वाले व देने वाले दोनों) को सजा दिलवाना →

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

गुण: यह विकल्प आपको कानून के अनुपालन को दर्शाता है तथा आप स्थिति को तुरंत नियंत्रण में ला सकते हैं और दोषियों को भी सजा मिलेगी।

अवगुण - लेकिन यह मानवीय पहलुओं की उपेक्षा करता है। एक तो दलित वर्ग जिनकी सामाजिक स्वीकार्यता कम है तथा उनके आजीविका संकट का सामना है। ऐसे उपरोक्त कार्रवाई मैला ढोने वालों को नकारात्मक रूप से ही प्रभावित करेगी। अतः यह सही विकल्प नहीं।

स्थिति को निपटने हेतु उपयुक्त कदम →

(i) सर्वप्रथम, स्थिति की स्पष्ट जानकारी लेना तथा समस्त पहलुओं को संज्ञान में लेते हुए अपने उच्चाधिकारियों को आवश्यक राजनीतिक दबाव से अवगत करवाना तथा उनका समर्थन मांगना।

(ii) समस्या के मूल कारकों पर फोकस करना

शुष्क शौचालय - जहां भी इन को फ्लश पानी वालों में तब्दील करवाने का आदेश देना तथा उनकी निगरानी रखना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दलितों → इनके प्रति सामाजिक पूर्वाग्रह की समाप्ति हेतु उपयुक्त अभिवृत्ति परिवर्तन जागरूकता कार्यक्रम करवाना तथा बताना कि ये वर्ग भी सम्मानीय है।

मछुआरा वर्ग लोगों - इनके लिए अन्य सभी विभागों के तहत प्रायोजित पुनर्वास कार्यक्रम का बेहतर क्रियान्वयन करना ताकि उनकी आजीविका हेतु वैकल्पिक उपाय संभव हो सके।

→ जनता के साथ सहयोग लेकर (विश्वास में लेकर) समुचित व तीव्र कार्रवाई करना तथा मीडिया में जनता के माध्यम से सही स्थिति रखवाना ताकि राजनीतिक दबाव के चलते गलत तथ्य।

यह कार्रवाई एक जिलाधिकारी के मानवीय मूल्यों, प्रशासनिक अभिक्षमता, व समस्या समाधान दृष्टिकोण दर्शाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are SP of a district where the use of drugs is prevalent; especially among the youth. The neighbouring districts are also suffering from the same problem. There is a huge hue and cry in the national media about the drug issue and the government and political parties are pressurising the police and district administration to act on the issue. A big deal of drugs is busted by the police in your area and all the culprits have been arrested. However, even before you reach your office, a minister from the ruling party of the state calls and asks you to release few of the culprits. You have long suspected the role of many senior leaders in this drug menace of the state. You have also been informed by your juniors that a few officers who dared to act against people involved in drug dealings were transferred or suspended on wrong charges earlier.

1. Identify the options available to you.

2. Evaluate the pros and cons of each of your options. 20

विषय मादक पदार्थों के गिरोह के भंडाफोड़ से गिरफ्तार कुछ अपराधियों को छोड़ने का राजनीतिक दबाव व ऐलान करने पर आपको व्यक्तिगत हानि से संबंधी है। इसमें अनेक नैतिक दुविधाएं शामिल हैं:-

नैतिक दुविधा
- कर्तव्य बनाम व्यक्तिगत अहित
- राजनीतिक कार्यपालिका दबाव बनाम प्रभावी राजनेता का दबाव
- मीडिया का प्रचार व राजनेता का दबाव
- सामाजिक उत्तरदायित्व व व्यक्तिगत सुरक्षा

इत्यादि।

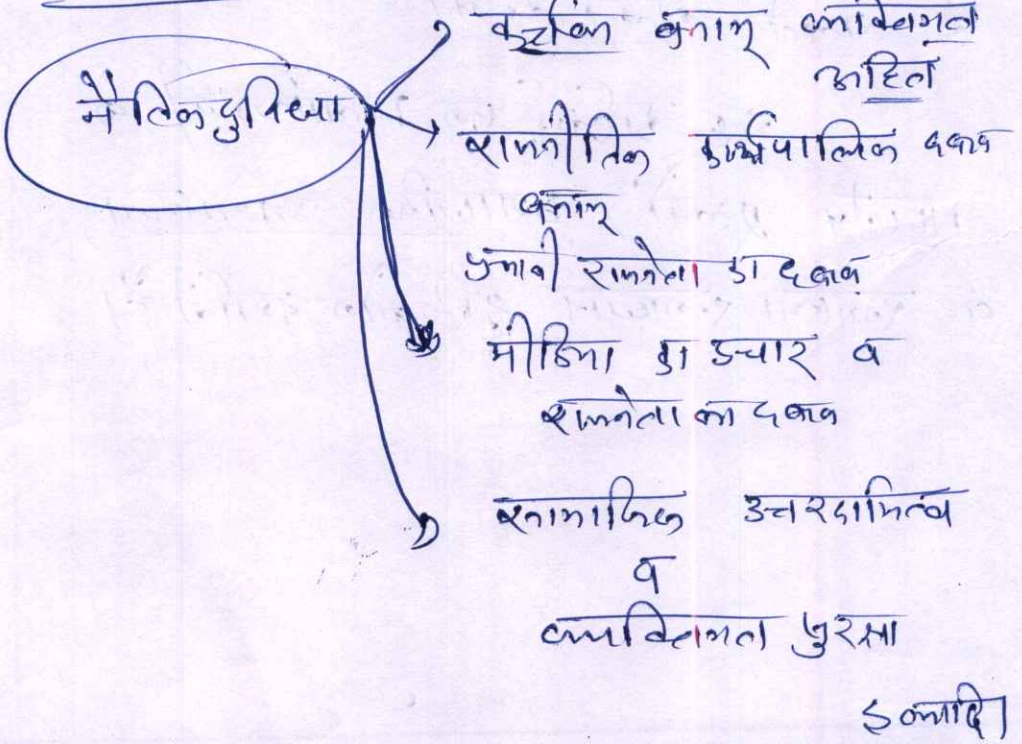

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प

(1) राजनेता / मंत्री जी की बात मानते हुए उनमें से कुछ को छोड़ देना -

गुण - इससे आप मंत्री जी के विश्वासपात्र बन सकते हैं तथा आपके पद पर भी कोई दिक्कत नहीं आएगी तथा कुछ लोगों को पकड़ने से मीडिया भी शांत रहेगा।

अवगुण → यह एक उच्चाधिकारी पुलिस अधिकारी की नैतिकता का ह्रास दिखाता है। सभी अपराधी समान हैं। अनावश्यक राजनीतिक दबाव में छोड़ना समुचित नहीं। साथ ही, यह कानून भी अपराध / गलत है और आप पर भी कार्यवाई हो सकती है।

एक पुलिस अधिकारी के लिए यह विकल्प उचित नहीं। कर्तव्यपालना में सभी पर कानून तोड़ने की सजा एक ही है।

(2) कर्तव्य पालन करते हुए, मंत्री जी की बात न मानते हुए पकड़े हुए लोगों पर सख्त कार्यवाई करना।

गुण. यह आपमें एक कर्तव्य बोध का भाव दिखलाता है। साथ ही, कानून की शासन की स्थापना करता है और आपके कर्मियों में भी आत्मविश्वास का भाव जगाएगा।

अवगुण → यह आप पर मंत्री की अवहेलना का नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। आपका स्थानांतरण व निलंबन भी हो सकता है, साथ ही आपकी जान को भी खतरा हो सकता है।

लेकिन तमाम चुनौतियों के बावजूद भी बेहतर विकल्प है।

(3) यह जानते हुए कि अन्य वरिष्ठ लोग भी इसमें जुड़े हुए हैं, आप मामले को रफा-दफा करके छुट्टी पर चले जाएंगे -

गुण- यह आपको सुरक्षित करेगा तथा आपके कर्मियों को भी सुरक्षित रखेगा।

अवगुण. आपकी पलायनवादी प्रवृत्ति को दर्शाता है। तथा दबाव के आगे झुकने की प्रवृत्ति होने में अपराधी को अप्रत्यक्षतः और बढ़ावा मिलेगा।

अतः यह उचित विकल्प नहीं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एक पुलिस अधिकारी के रूप में आप समग्र आयामों के आलोक में अपने उच्चस्थ अधिकारियों को सूचित करते हुए इन दोषियों को सजा दिलवाएँगे। सरकार की कार्यवाई के समर्थन में थी, ऐसे में आपने कर्तव्य पालन किया है।

साथ ही, आपने सामाजिक हित (युवाओं के लिए हानिकारक) में उचित निर्णय लिया है। यही बात स्थानांतरण की तो कर्तव्य पालन करना है, चाहे स्थान कुछ भी हो।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are the manager of a small hotel which maintains high standards of ethics in dealing with its customers. One day a person comes to your hotel and enquires about booking a room at your hotel. However, due to peak season, all rooms were already booked and hence the staff politely informed him about the unavailability. The person, however, was adamant and took this as a personal insult and started misbehaving with the staff present at the counter. Citing his political connection he also threatened the staff of severe consequences. Next day the person lodged a frivolous complaint with the police under the stringent SC/ST act. In his complaint he accused you and your staff of insulting him deliberately on the basis of his caste. He insisted further that he was denied a room at your hotel due to the caste he belongs to.

1. What are the options available to you?

2. Evaluate each of these options and choose the option which you would adopt, giving reasons. 20

केस स्टडी का विषय कर्तव्यपालन कर रहे एक समर्पित कार्मिक का एक हठी ग्राहक के उग्र व्यवहार तथा कानूनों के अनैतिक प्रयोग से संबंधित है।

नैतिक पक्ष
- कानूनी दुरुपयोग बनाम कानूनी सम्मान
- कार्मिक का व्यवहार व ग्राहक का व्यवहार
- ग्राहक संतुष्टि व होटल के मानक

विकल्प

(1) ग्राहक को बुलाकर उनसे बातचीत द्वारा मामला सुलझाने का प्रयास –

(गुण) – इससे आप अनावश्यक पुलिस कार्रवाई से बचेंगे तथा ग्राहक को संतुष्ट करने

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

का व्यवहार भी करेंगे, वैसे भी आपके होटल का मानक भी ग्राहक संतुष्टि है इससे मामला सुलझ सकता है।

→ (अवगुण) - जब ग्राहक इसे अपमान मान चुका है तो ऐसे उपाय कारगर नहीं हो सकते हैं क्योंकि वह बातचीत से सुलझेगा नहीं।

(कारण) - इस विकल्प को चुनने का कारण होटल के उच्च नैतिक मानक हैं जो ग्राहक की संतुष्टि को ध्यान में रखते हैं साथ ही यदि, कोई भी विवाद/संवाद अंतराल है तो उसे भी पाट सकता है।

(2) कर्मचारी को माफी मांगने के लिए कहना या बर्खास्त करना -

(गुण) इससे आपके ग्राहक संतुष्टि मानक तो पूर्ण होंगे तथा आपके होटल की छवि भी नहीं बिगड़ेगी तथा कानूनी उपायों में नहीं पड़ना पड़ेगा।

(अवगुण) - इससे होटल की कार्यसंस्कृति पर अत्यंत नकारात्मक प्रभाव डालेगा तथा यह विरोध को जन्म देगा प्राकृतिक अधिकारों के खिलाफ है साथ ही कानूनों के दुरुपयोग को बढ़ावा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(कारण) → SC/ST अधिनियम की जानकारी के चलते आपने यह कदम उठाया। एक धार्मिक के बदले कोई कार्मिक / जिलाधिकारी शायद इसी दृष्टिकोण को वरीयता देती।

(3) पुलिस कार्रवाई के लिए तैयार रहना तथा कार्मिक के व्यवहार की सराहना करना—

(गुण) पुलिस कार्रवाई हमेशा निष्पक्ष होती है और जहां पर आपके पास स्थिति संबंधी रिकॉर्ड भी उपस्थित हैं तथा आप सही हैं तो स्वयं कैमरा फुटेज भी दिखा सकते हैं तथा दलित ग्राहकों के प्रति पूर्व के अच्छे व्यवहार के कुछ संकेत दे सकते हैं।

— इससे एक बेहतर कार्य संस्कृति भी बनेगी तथा कार्मिकों को उचित व्यवहार में प्रोत्साहित करेगी जो उनकी सुरक्षा के प्रति सुनिश्चितता करेगी (तार्किक और वास्तविक)

— साथ ही रक्षा हेतु बने कानूनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए अच्छा उदाहरण होगा।

— ग्राहकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(अवगुण) कुछ समय के लिए होटल को वित्तीय हानि व कानूनी उपचारों में फंसना पड़ सकता है। थोड़ी हानि भी नकारात्मक हो सकती है।

लेकिन उक्त विकल्प का कारण है नैतिक व उचित का साथ देना तथा गलत व्यवहार को दण्डित करना है। यह होटल की कार्य संस्कृति को और अधिक सहयोगी, पारदर्शी व जातिगत पूर्वाग्रहों से रहित बनायेगा तथा कानून के उल्लंघन करने वालों को सजा मिलेगी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are the Health Secretary in a state where there is an outbreak of dengue and chikungunya diseases. There have been reports of negligent attitude of some private hospitals in the city. Also, the public hospitals do not have the required infrastructure and staff to meet such increased number of cases in a short span of time. Additionally, the staff is demoralised by the increased working hours and the public outrage. Despite the efforts of the local authorities this issue emerges year after year.

1. What are the immediate steps which should be taken in such a situation?

2. Suggest some long term measures to ensure that such a situation is not repeated. 20

विषय स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी की स्थिति की है। जहाँ पर आपका प्राथमिक कर्तव्य जनता को समुचित व समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध करवाना है तथा संसाधनों का समुचित प्रबंधन करना है।

तात्कालिक कदम

↳ शीघ्र कार्यवाई करते हुए कुछ अतिरिक्त स्वास्थ्य कर्मचारियों को अन्य राज्यों से बुलाना

→ निजी अस्पतालों को कुछ तात्कालिक प्रेरणा (Incentives) देकर सहयोग की अपील करना है।

→ कार्यरत कर्मचारियों को अतिरिक्त वेतन व अन्य सुविधाएं देने का आश्वासन देना।

→ जनता को भी धैर्य रखने व सहयोग करने की अपील करना।

→ डेंगू व चिकनगुनिया से बचाव हेतु पर्याप्त जानकारी लोगों तक पहुंचाना व मच्छर मारने वाली दवा का छिड़काव करना।

→ NGO व स्थानीय civil society का सहयोग भी प्राप्त करना। इत्यादि

दीर्घकालिक उपाय

अवसंरचना

↳ पर्याप्त फंडिंग द्वारा अस्पतालों की मात्रा व गुणवत्ता का सुधार/वृद्धि

↳ चिकित्सकों व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के खाली पदों को भरना

↳ आपात स्थिति हेतु एक अलग से टीम बनाना ताकि तत्काल जरूरत पड़ने पर स्वास्थ्य कर्मी अपना काम कर सकें।

↳ दवाओं का उचित वितरण,

↳ PHC, CHC, व बड़ी अस्पताल में समन्वय

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

निजी अस्पतालों

↳ इनके व्यवहार का उचित निरीक्षण करके कुछ नियमन करना ताकि आपातकाल में यह कर्तव्य विमुख न हों

→ करदकारों में छूट का प्रलोभन देना ताकि जनता को अंततः कोई मुश्किल न हो।

बीमारी की जानकारी व रोकथाम

↳ लोगों को पहले ही जानकारी उपलब्ध करवाना ताकि लोगों इन बीमारियों के फैलने से बचें।

→ स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं की टीम बनाना (युवा, NSS, CS etc) ताकि जरूरत पड़ने पर सुविधा मिल सके।

→ साथ ही पड़ोसी राज्यों से भी सहयोग हेतु आपातकालीन नियम विनियम बनाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्पॉक

- कार्मिकों के मूल्यों को प्रोत्साहित करना
- दबाव में काम करने के लिए प्रशिक्षित करवाना
- अतिरिक्त सुविधाएं, पुरस्कार इत्यादि देकर उनको प्रेरित रखना।
- स्थानीय अधिकरणों को भी शामिल करना।

निश्चित ही, ये दीर्घकालिक प्रभाव व तत्कालिक प्रभाव लक्ष्यों के सभी आयामों को शामिल करते हैं तथा लक्ष्यों का समुचित, समावेशी समाधान देते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. As a Forest Officer, you are receiving increasing complaints of certain animals ruining the farms and causing damage to crops. This is creating an undue financial burden for the farmers who are in deep distress because of the uncontrolled damage. Consequently, the farmers are demanding you to put forward a request for culling of animals. You are an animal lover and against culling of animals. You had made efforts to control the menace but the population of animals has increased beyond the managing capacity.

1. What are the options available to you? Evaluate each of these options and choose the option which you would adopt, giving reasons.

2. Also suggest some long term measures to ensure that such a situation is not repeated. 20

वनाधिकारी के समक्ष उत्पन्न नैतिक द्वंद्व से संबंधित विषय -

→ किसानों के हित बनाम पशु हत्या

→ सार्वजनिक हित बनाम व्यक्तिगत झुकाव (पशुप्रेमी)

उपरोक्त नैतिक द्वंद्व की स्थिति में निम्नलिखित विकल्प उपलब्ध है -

→ किसानों को आश्वासन देकर छोड़ देना, लेकिन पशु हत्या न करना (पशु प्रेम) -

(गुण) इससे आप पशु हत्या के पाप को नहीं लेंगे। यह आपके अपने मूल्यों (पशुप्रेम) को भी रक्षित करता है।

(अवगुण). किसानों के प्रति समानुभूति का अभाव दिखाता है तथा एक अधिकारी के रूप में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

झूठा आश्वासन व जनता की अपेक्षाओं की अवहेलना आपके कर्त्तव्यहीनता व समर्पण का अभाव दिखाता है।

यह विकल्प समावेशी नहीं है बल्कि अपवर्जी है; अतः नहीं अपनाया जा सकता है।

(2) मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंचा देना और स्वयं कुछ न करना क्योंकि आप पहले ही प्रयास कर चुके हैं।

(गुण) – ऊपरी तौर पर यह कार्रवाई ठीक प्रतीत होती है क्योंकि आपने पहले कोशिश और जनता की मांग अनुरूप उच्च अधिकारियों को सूचित कर दिया व सभी आप की जिम्मेदारी खत्म।

(अवगुण) लेकिन यह विकल्प समुचित नहीं क्योंकि एक अधिकारी को समस्या से पीछा छुड़ाना नहीं बल्कि उसका सामना करना चाहिए। यहां पर आपकी सत्यनिष्ठा, कार्यपरायणता व समर्पण पर प्रश्नचिह्न लगता है।

अतः यह विकल्प भी उपयुक्त नहीं है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(उ) अल्पाधिकारियों से समुचित सलाह लेते हेतु पशुओं के प्रबंधन के अन्य विकल्पों की तलाश करना -

गुण - यह आपकी प्रशासनिक क्षमता को दर्शाता है जहाँ पर आप एक ओर किसानों के आजीविका संकट को समझेंगे तो दूसरी ओर आप पशुओं के प्रबंधन के लिए अन्य विकल्प यथा अन्य स्थानों के वनों में भेजना या अधिक संख्या होने पर उचित निगरानी में कुछ के मारने की अनुमति देना (उच्चाधिकारियों से लेना) । यह कार्रवाई पर्यावरणीय संतुलन के आधार पर भी उचित कदम है।

(अवगुण) निःसन्देह यह आपके नैतिकता मूल्यों के खिलाफ होगा तथा आपको पशु हत्या करवाना पड़ेगा जो असंवेदनशील लगता है

लेकिन यह कार्रवाई समुचित व सर्वाधिक उपयुक्त है क्योंकि प्रकृति में समुचित संतुलन आवश्यक है तथा किसानों के हित भी पर्याप्त आवश्यक है यह आपकी विवेक क्षमता दिखाता है

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

दीर्घकालिक उपाय

⇒ पशुओं के खेतों में प्रवेश को रोकने के लिए जंगलों के पर्याप्त तारबंदी करवाना।

⇒ किसानों को भी अपने खेतों की सुरक्षा की जानकारी देना। यदि वित्तीय हानि हो तो पुनर्भुगतान करना

⇒ पशुओं की आबादी को नियंत्रित करने के लिए उनके प्रजनन संबंधी तकनीकों को बढ़ाना ताकि उनकी अधिक आबादी से पारिस्थितिकी असंतुलन न पैदा होगा।

⇒ अधिक आबादी वाले क्षेत्र से उनको कम आबादी वाले जंगलों में स्थानांतरित करना, (जू में भी)

⇒ ~~...~~ स्थिति को जनता पूर्व जानकर क्रियात्मक उपाय अपनाना।

⇒ वनाधिकारियों को उनके समुचित विचरण को ध्यान रखना तथा खाद्य हेतु पर्याप्त ~~...~~ जंगल उपलब्ध करवाना इत्यादि।

तात्कालिक कार्यवाई की अपेक्षा दीर्घ कालिक उपाय ज्यादा समुचित है ताकि पशु प्रेमियों व जनता के बीच टकराव न हो।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अन्यथा; उत्तराखण्ड, बंगाल जैसे उठ रहे कलिंग मांगों विवाद व बहस चलती रहेगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Dr. A.K. Singh, a professor of medicine, is a prominent cardiologist. His personal financial investments include significant stock holdings in three publicly traded biotechnology firms. He is approached by one of these firms to be a lead investigator in a therapeutic trial of a novel agent for preventing tissue damage from myocardial infarction (MI). This will be a randomized double-blinded, placebo-controlled clinical trial (neither patient nor physician will know whether the drug under investigation or a placebo is being used in a given patient). Dr. Singh is quite familiar with the preliminary animal and cell biology work in the area and believes that there is an excellent chance that this new drug will result in a significant improvement in survival and reduce damage to the heart muscle. He even thinks this novel agent may reduce the risk of heart failure and irregular beats. Dr. Singh's group is one of the few cardiology groups fully prepared to carry out this investigation, which is why he was contacted. He cares for a large number of patients with MI and believes that he could enroll numerous patients efficiently. The drug will only be available to his patients if his group participates in the trial. The company is offering Rs. 25 lakh for each patient enrolled. As a lead investigator, he will become much better known and will likely experience an increase in referrals if the trial succeeds.

1. Is Dr. Singh's participation in this study appropriate? Justify your position.

2. Does Dr. Singh have a conflict of interest? If so, what is the nature of the conflict? How could it be mitigated.

3. How would the nature of the conflict of interest be different had he not already owned stock, but instead had been offered stock as a form of compensation for conducting the study? 20

निःसन्देह केस स्टडी में बड़ा मानवीय प्रश्न निहित है। एक तरफ जिन्दगी बचाने वाली दवा का प्रयोग है तो दूसरी उसकी अनुपलब्धता से जाने वाली जानें। ऐसे में एक व्यवहारिक व उपयोगितावादी दृष्टिकोण ज्यादा उचित होगा।

(1) डॉ० सिंह एक चिकित्सक हैं। इसलिए नये २ प्रयोग व दवाएं ज्यादा उपयोगी सिद्ध होती हैं और वो बेहतर परिणाम देती हैं तो उचित ही है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

साथ ही, यह जानने के बावजूद की इसके प्रभाव का पता न रोगी को चलता और न ही चिकित्सक को, यदि वो यह लाभ प्रत्येक रोगी को देना चाह रहे हैं तो निश्चित ही यह उनकी पारदर्शिता व उत्तरदायित्व को दर्शाता है। उपयोगितावादी दृष्टि के अनुरूप भी अधिकतम लोगों का हित हो तो कुछ व्यक्तिगत हानि भी उठानी जा सकती है। बशर्ते उनका उद्देश्य पवित्र हो, केवल नाम व आर्थिक कारणों के लिए नहीं।

(b) यहां पर हितों का टकराव है एक ओर वह कंपनी भी डॉ सिंह द्वारा व्यक्तिगत रूप से किया पोषित है तो दूसरी ओर ईश्वर भी डॉ सिंह करना चाहते हैं क्योंकि यदि नकारात्मक परिणाम आता है तो हो सकता है डॉ सिंह व्यक्तिगत लाभ के लिए उन्हें नजरअंदाज कर दें और जनता का नुकसान हो।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हितों के टकराव के लिए विकल्प है-

① डॉ सिंह अपने शेयर उस कंपनी से बेच दें।

② डॉ. सिंह ट्रायल में भागीदारी न करें।

③ डॉ सिंह अपने हितों की खुली घोषणा करे तथा ट्रायल की रिपोर्ट को भी विश्वसनीयता से उनके हितों समक्ष परीक्षण व निगरानी के लिए रखें।

उपरोक्त दोनों विकल्प सही समाधान नहीं हैं क्योंकि वह एक हित को आवश्यकतानुसार करते हैं।

तीसरा विकल्प उपयुक्त है यह हितों का टकराव भी रोकेगा। वह जनहित में बेहतर दवा भी लाएगा।

③ यदि पहले शेयर नहीं होते और अब अनुमान के टकराव में डर जाते तो निःसंदेह यह एक प्रलोभन होता तथा उन्हें वित्तीय लाभ के माध्यम से ट्रायल करने के लिए प्रेरित करता जो उनके जनहित के उद्देश्य से भी टकराव होता है (था)।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

केस में शाइना की विश्वसनीयता व डॉ० सिंह की कर्तव्यनिष्ठा, सत्यनिष्ठा व चिकित्सीय मूल्यों पर भी नकारात्मक प्रश्न उठते हैं

उपरोक्त केस अध्ययन में मानवीय पहलू व हित सर्वोपरि हैं तथा व्यक्तिगत हितलाभ गौण। क्योंकि जीवन का मूल्य अनमोल है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Call us : 9650617807, 9968029039
Blog : www.visionias.wordpress.com

Visit us : www.visionias.in
Email : ajay.visionias@gmail.com